भू धातु लिट् लकार
चतुर्थ प्रश्न पत्र
प्रथम पुरुष

सं॰ शि॰ - साजन कुमार
एस॰ बी॰ एस॰ एस॰
कॉलेज बेगूसराय

प्रथम पुरुष - बभूव - बभूवतुः - बभूवुः

~~1) बभूव~~

विशेष :→ लिट् लकार में परस्मैपदी तिप् आदि को क्रमशः णल् आदि आदेश हो जाते हैं। यह परिवर्तन परस्मैपदानां णलतुसुस्थलथुसणल्वमाः' इस सूत्र से अपेक्षित है।

* 1) तिप् आदि नौ -
  - तिप् - तस् - झि
  - सिप् - थस् - थ
  - मिप् - वस् - मस्
* 2) तिप् आदि के स्थान पर होने वाले क्रमशः -
  - णल् - अतुस् - उस्
  - थल् - अथुस् - अ
  - णल् - व - म

---

1) बभूव (प्रथम पुरुष एकवचन)

:) 'परोक्षे लिट्' से लिट् लकार - भू + लिट्
:) 'लिट्' के अनुबंधो को हटाने पर - भू + ल्
:) कर्त्ता के प्र० पु० एकवचन की विवक्षा में - भू + तिप्
:) 'परस्मैपदानां णलतुसुस्थलथुसणल्वमाः' से 'तिप्' को 'णल्' आदेश - भू + णल्
:) 'भुवो वुग् लुङ् लिटोः' से 'भू' को 'वुक्' का आगम - भू + वुक् + णल्

Scanned with CamScanner

=> 'वुक्' के उक् की इत्संज्ञा व लोप - भू + व् + णल्
=> मिलाने पर - भूव् + णल्
=> 'लिटिधातोरभ्यासस्य' से भूव् को द्वित्व - भूव् + भूव् + णल्
=> 'हलादिशेषः' से प्रथम अभ्यास संज्ञक भूव् के 'भू' शेष - भू + भूव् + णल्
=> 'ह्रस्वः' से 'भू' के 'ऊ' को 'उ' - भु + भूव् + णल्
=> 'भवतेरः' से अभ्यास संज्ञक 'भु' को 'भ' - भ + भूव् + णल्
=> 'अभ्यासे चर्च' से 'भ' को 'ब' - ब + भूव् + णल्
=> 'हलन्त्यम्' से 'ल्' की इत्संज्ञा व लोप - ब + भूव् + ण
=> 'युट्' से 'ण्' की इत्संज्ञा व लोप - ब + भूव् + अ
=> मिलाने पर रूप सिद्ध हुआ - बभूव

२) बभूवतुः (प्रथम पुरुष द्विवचन)

=> 'परोक्षे लिट्' से लिट् लकार - भू + लिट्
=> लिट् के अनुबंधो को हटाने पर - भू + ल्
=> कर्ता के प्र० पु० द्विवचन की विवक्षा में - भू + तस्
=> 'परस्मैपदानां णलतुसुस्थलथुसणल्वमाः' से 'तस्' को अतुस् आदेश - भू + अतुस्
=> 'उवोवुक् लुङ्लिटोः' से 'भू' को 'वुक्' का आगम - भू + वुक् + अतुस्
=> 'वुक्' के 'उक्' की इत्संज्ञा व लोप - भू + व् + अतुस्
=> मिलाने पर - भूव् + अतुस्
=> 'लिटि धातोरभ्यासस्य' से भूव् को द्वित्व - भूव् + भूव् + अतुस्

Scanned with CamScanner

:) 'हलादिशेषः' से प्रथम अभ्यास संज्ञक 'भूव' का 'भू' शेष] — भू + भूव + अतुस्
:) 'ह्रस्वः' से 'भू' के 'ऊ' को 'उ' — भु + भूव + अतुस्
:) 'भवतेरः' से अभ्यास संज्ञक 'भू' को 'भ' — भ + भूव + अतुस्
:) 'अभ्यासे चर्च' से 'भ' को 'ब' — ब + भूव + अतुस्
:) मिलाने पर — बभूव + अतुस्
:) 'अतुस्' के 'स्' की इत्संज्ञा, न विभक्तौ तुस्माः' से इत्संज्ञा का निषेध] — बभूव + अतुस्
:) 'ससजुषोरुः' से 'स्' को रुः (र्) — बभूव + अतुर्
:) 'खरवसानयोर्विसर्जनीयः' से 'र्' को विसर्ग — बभूव + अतुः
:) मिलाने पर रूप सिद्ध — बभूवतुः

3) बभूवुः (प्रथम पुरुष बहुवचन)

:) 'परोक्षे लिट्' से 'लिट्' लकार — भू + लिट्
:) 'लिट्' के अनुबंधों को हटाने पर — भू + ल
:) कर्त्ता के प्र० पु० बहुवचन की विवक्षा में — भू + झि
:) 'परस्मैपदानाम्०' से 'झि' को 'उस्' — भू + उस्
:) 'भुवो वुक् लुङ् लिटोः' से 'भू' को 'वुक्' का आगम] — भू + वुक् + उस्
:) 'वुक्' के 'उक्' की इत्संज्ञा व लोप — भू + व + उस्
:) मिलाने पर — भूव + उस्
:) 'लिटि धातोरनभ्यासस्य' से 'भूव' को द्वित्व — भूव + भूव + उस्
:) 'हलादिशेषः' से प्रथम अभ्यास संज्ञक 'भूव' का 'भू' शेष] — भू + भूव + उस्

:) 'ह्रस्वः' से भू के 'ऊ' को 'उ' - भु + भूव + उस्
:) 'भवतेरः' से 'भु' को 'भ' - भ + भूव + उस्
:) 'अभ्यासे चर्च' से 'भ' को 'ब' - ब + भूव + उस्
:) मिलाने पर - बभूव + उस्
:) 'उस्' के 'स्' की इत्संज्ञा, न विभक्तौ तुस्माः से इत्संज्ञा का निषेध - बभूव + उस्
:) मिलाने पर — बभूवुस्
:) 'ससजुषोरुः' से 'स्' को 'रु' (र्) - बभूवुर्
:) 'खरवसानयोः' से 'र्' को विसर्ग - बभूवुः
:) इस प्रकार रूप सिद्ध - बभूवुः

(S) Raina